Saryu Roy
CHAIRPERSON
Committee on Public Undertakings
Jharkhand Legislative Assembly

Residence :
• F-Type, Quarter No. 1, PWD(IB), A. G. More, Doranda, Ranchi - 834002
• L 4/1, Kadani Road, Baridih, Jamshedpur - 831017
Tel. : 0651-2480045, 0657-2249255,
Mob. : 9431114466
E-mail : saryuroyoffice@gmail.com
Website : www.saryuroy.in

Ref. झा.का.(अ.प.)/08/103/24 Date : 10-05-24

प्रिय श्री कुलकर्णी,

गत 17 अप्रैल 2024 (राम नवमी) के दिन आपके साथ हुई सार्थक वार्ता का कृपया स्मरण करेंगे। मेरी पहल पर आयोजित इस बैठक में आपके मानव संसाधन प्रमुख तथा नगर प्रशासन अधिकारी भी उपस्थित थे। वार्ता के क्रम में मैंने आपके समक्ष एक विनम्र प्रस्ताव रखा, जिसे आपने पसंद किया और इसके क्रियान्वयन हेतु उपयुक्त स्थल का चयन करने पर सहमत हुए। क्षमा प्रार्थी हूँ कि इस बारे में आपसे संपर्क करने में मेरी ओर से विलंब हुआ।

मेरा प्रस्ताव है कि जमशेदपुर में **'लघु भारत'** का एक आकर्षण परिदृश्य स्थापित किया जाए जिससे एक स्थान पर भारतीय संस्कृति की समग्र झलक मिले और वहाँ जाने वाले को भारत की विविधता में एकता की सहज अनुभूति हो। मैंने आपसे निवेदन किया कि जमशेदपुर को लघु भारत कहा जाता है। देश के सभी राज्यों, यहाँ तक कि पड़ोसी देश नेपाल, की कला, संस्कृति, भाषा, वेश–भूषा, पूजा–पद्धति का प्रतिनिधित्व सौ साल से अधिक समय से जमशेदपुर में है। विभिन्न समसामयिक अवसरों पर इसकी जीवंत झलक मिलते रहती है, जो अभिभूत करने वाली होती है। झारखंड की विविध कला–संस्कृति विधाओं एवं पड़ोसी राज्यों की समृद्ध कला–संस्कृति का दिग्दर्शन भी जमशेदपुर में आए दिन होते रहता है। मानो यह शहर एक ऐसी फुलवारी का प्रतिनिधि है जहां विभिन्न रंगों और सुगंधों वाले पुष्प खिले हुए हैं। जमशेदपुर की यह विशेषता कला कर्मियों, रंगकर्मियों, निर्माण कर्मियों की परिकल्पनाओं के माध्यम से एक स्थल पर जीवंत हो जाए और आदि पौराणिक काल से अब तक की मानव विकास यात्रा क्रम का रेखांकन यहाँ हो जाए तो यह देश में एक अनोखा प्रयोग के रूप में स्मरण किया जाएगा। जमशेदपुर में स्थापित यह स्थल पर्यटकों के लिए स्वाभाविक आकर्षण का केन्द्र साबित होगा। साथ ही यह एक ऐसे राष्ट्रीय धरोहर के रूप में देश–दुनिया में प्रसिद्ध होगा जहाँ सभी आयु वर्गों के लिए सीखने एवं जानने की प्रचुरता एक साथ मौजूद होगी। उस दिन वार्ता के दौरान इस संबंध में आपकी स्वाभाविक रुचि का अनुभव कर मुझे अत्यंत आनन्द हुआ। इस बीच मुझे दिल्ली जाने का अवसर मिला। वहाँ मैंने कला एवं संस्कृति के क्षेत्र के अंतर्राष्ट्रीय स्तर के संस्थानों एवं व्यक्तियों से मिलकर इस बारे में चर्चा की। मेरी यह परिकल्पना उन्हें भी काफ़ी पसंद आई। इस बारे में आपकी सहमति से भी मैंने उन्हें संसूचित किया।

अब आवश्यकता है इस अवधारणा को सरज़मीं पर उतारने की। इसमें आपकी भूमिका सर्वाधिक महत्वपूर्ण है। मैं मई माह के अंत में जमशेदपुर के स्थानीय कलाकारों, रंग कर्मियो एवं संस्कृति कर्मियों को जुटाकर उनका परामर्श प्राप्त करने की योजना बना रहा हूँ। तदुपरांत इस विषय में आपसे पुनः परामर्श करना चाहूँगा। मेरा अभिमत है कि इस बारे में उपयुक्त स्थल टेल्को स्थित माँ भुवनेश्वर मंदिर के आजू–बाजू का क्षेत्र हो सकता है। इस पहाड़ी की तलहटी में टेल्को–बिरसा नगर को जोड़ने वाली सड़क का उपरी वनाच्छादित भू–भाग मुझे सर्वाधिक उपयुक्त प्रतीत हो रहा है। इस भूखंड पर इकोफ्रेंडली (पर्यावरण अनुकूल) निर्माण के माध्यम से भारत की आदिकाल से आधुनिक काल तक के प्रगति परिवेश के धार्मिक, सांस्कृतिक, ऐतिहासिक, तकनीकी आदि आयामों के चिन्हों को लघु भारत की भव्य स्मृति के रूप में जीवंत करने की अवधारणा को मूर्त रूप देने में आपका हर संभव सहयोग की अपेक्षा करता हूँ।

सधन्यवाद,

भवदीय

(सरयू राय)

सेवा में,

श्री रवीन्द्र कुलकर्णी
प्लांट हेड, टाटा मोटर्स
जमशेदपुर।